UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 13 जंगल (मंजरी)

पाठ का सर (सारांश)

प्रस्तुत कहानी में लेखिका ने बच्चों में जीव-जंतुओं के प्रति संवेदना का बड़ा ही सजीव वर्णन किया है। लेखिका की सहेली का एक पोता है जो अभी प्ले स्कूल में पढ़ता है। उसका नाम पियूष है। एक बार वह अपने पापा के साथ उनके एक मित्र के घर जाता है और वहाँ वह कुछ पालतू जानवरों एवं पक्षियों को देखता है। पालतू खरगोश एवं तोतों को देखकर उसके भी बाल मन में इन्हें पालने की इच्छा जागृत होती है और वह जिद करके खरगोश के बच्चों का एक जोड़ा अपनी दादी से खरीदवाकर अपने घर लाता है। कुछ ही दिनों में दोनों खरगोश के बच्चों से उसकी अच्छी दोस्ती हो जाती है।

वह घर पर जब भी रहता है, उन्हीं खरगोश के बच्चों के साथ खेलता है। उसने खरगोश के बच्चों का नाम सोनू और मोनू रखा है। एक दिन उसके स्कूल में रहने के दौरान ही सोनू की मृत्यु हो जाती है। स्कूल से आने के बाद उसे इस घटना की जानकारी मिलती है। वह बहुत दुखी होता है और अपनी दादी से खरगोश के बच्चे सोनू की मृत्यु का कारण पूछती है। दादी उसे बताती हैं कि सोनू की मृत्यु अपने माँ-पिता से बिछड़ने के कारण हुई। यह सुनकर पियूष के मन में जिंदा बचे खरगोश के बच्चे मोनू के प्रति ममता जागृत होती है और वह दादी से कहता है कि क्यों न हम मोनू को जंगल में उसके मम्मी-पापा के पास छोड़ आएँ ताकि मोनू की मृत्यु न हो और वह अपने मम्मी-पाना के साथ खुशी-खुशी रहे जैसे हम रहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/